HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

# DAILY PRACTICE QUESTIONS

**BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM**

DATE : AUGUST 25, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results


**CONTACT INFO:**
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

**EMAIL ID:**
info@sixsigmaias.com

**WEB PAGE:**
www.sixsigmaias.com

**ADDRESS:**
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

# दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

**प्रश्न 1. मुगल काल के दौरान जमींदारों के संदर्भ में कृषि संबंधों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

**कथन-I:** जहाँ जमींदारों को अक्सर शोषक के रूप में देखा जाता था, वहीं ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि उन्होंने अक्सर शाही राजस्व मांगों के खिलाफ किसान प्रतिरोध के "अग्रदूत" (spearhead) के रूप में कार्य किया।

**कथन-II:** जमींदारों और किसानों के बीच संबंध अनिवार्य रूप से एक "पितृसत्तात्मक" (paternalistic) विचारधारा पर आधारित थे, जहाँ जमींदार वफादारी के बदले सुरक्षा और ऋण प्रदान करता था।

**उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?**

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है।

**उत्तर: (b)**

**व्याख्या:** दोनों कथन सही हैं। ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि जमींदारों ने अक्सर अत्यधिक मुगल राजस्व मांगों के खिलाफ किसान प्रतिरोध का नेतृत्व किया, क्योंकि उनके अपने हित भी प्रभावित होते थे। जमींदारों और किसानों के बीच संबंध वास्तव में पितृसत्तात्मक थे, जिसमें सुरक्षा और ऋण देना शामिल था। हालाँकि, यह सामाजिक संबंध सीधे तौर पर प्रतिरोध आंदोलनों में उनके नेतृत्व की व्याख्या नहीं करता है, जो मुख्य रूप से साझा आर्थिक दबावों से प्रेरित था।

**प्रश्न 2. जलवायु परिवर्तन को कम करने के वैश्विक पर्यावरणीय प्रयासों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन 'सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियां' (CBDR) के मूल सिद्धांत का सबसे अच्छा वर्णन करता है?**

(a) यह ग्रीन क्लाइमेट फंड में सभी देशों द्वारा समान योगदान को अनिवार्य करता है।

(b) यह स्वीकार करता है कि विकसित देशों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी अधिक है और उन्हें विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करनी चाहिए।

(c) इसके लिए विकासशील देशों को विकसित देशों के उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों की बराबरी करने की आवश्यकता है।

(d) यह UNFCCC के तहत एक समान वैश्विक कार्बन टैक्स स्थापित करता है।

**उत्तर: (b)**

**व्याख्या:** CBDR अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून का एक आधारभूत सिद्धांत है। यह मानता है कि जबकि सभी देश पर्यावरण संरक्षण के लिए जिम्मेदारी साझा करते हैं, विकसित देश अपने ऐतिहासिक उत्सर्जन और अधिक वित्तीय व तकनीकी क्षमता के कारण अधिक बोझ उठाते हैं। इसलिए, उनसे विकासशील देशों की सहायता करने की अपेक्षा की जाती है।

**प्रश्न 3. भारतीय अर्थव्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. भुगतान संतुलन (BoP) के पूंजी खाते (Capital Account) में निरंतर घाटा हमेशा चालू खाता घाटे (CAD) की तुलना में अधिक हानिकारक होता है।
2. 'J-कर्व' (J-Curve) प्रभाव बताता है कि मुद्रा अवमूल्यन के बाद, व्यापार संतुलन सुधरने से पहले शुरू में खराब हो जाता है।
3. हस्तांतरण भुगतान (Transfer Payments) व्यक्तिगत आय में शामिल किए जाते हैं लेकिन राष्ट्रीय आय (साधन लागत पर NNP) से बाहर रखे जाते हैं।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?**

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

**उत्तर: (b)**

**व्याख्या:** कथन 1 गलत है क्योंकि चालू खाता घाटा (CAD) आम तौर पर अधिक चिंताजनक होता है क्योंकि यह निर्यात पर आयात की अधिकता को दर्शाता है। कथन 2 सही है क्योंकि अवमूल्यन से निर्यात लाभ मिलने से पहले शुरू में आयात लागत बढ़ जाती है। कथन 3 सही है क्योंकि हस्तांतरण भुगतान उत्पादन के माध्यम से अर्जित नहीं किए जाते हैं और इसलिए उन्हें राष्ट्रीय आय से बाहर रखा जाता है लेकिन व्यक्तिगत आय में शामिल किया जाता है।

**प्रश्न 4. भारत में योजना और विकास ढांचे के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. जिला योजना समितियां (DPCs) पंचायतों और नगर पालिकाओं द्वारा तैयार की गई योजनाओं को समेकित करती हैं।
2. राज्यपाल DPCs में सीटों को भरने के तरीके और संरचना का निर्धारण करता है।
3. DPC के कम से कम चार-पांचवें सदस्य पंचायतों और नगर पालिकाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुने जाते हैं।
4. विकास योजनाएं तैयार करते समय DPCs राज्यपाल द्वारा निर्दिष्ट संस्थानों से परामर्श करती हैं।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?**

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

**उत्तर: (b)**

**व्याख्या:** अनुच्छेद 243ZD के अनुसार कथन 1 और 3 सही हैं। कथन 2 गलत है क्योंकि राज्य विधानमंडल DPCs की संरचना निर्धारित करता है। कथन 4 भी सख्त व्याख्या में गलत है, क्योंकि यह ढांचा मुख्य रूप से राज्य कानून द्वारा शासित होता है, हालांकि राज्यपाल परामर्श के लिए संस्थानों को निर्दिष्ट कर सकते हैं।

**प्रश्न 5. नीचे दो कथन दिए गए हैं:**

**अभिकथन (A):** दुनिया के अधिकांश मेगासिटी (महानगर) विकासशील देशों में स्थित हैं, फिर भी इन क्षेत्रों में शहरीकरण की दर 2030 तक काफी कम होने की उम्मीद है।

**कारण (R1):** विकासशील देशों में शहरीकरण बड़े पैमाने पर 'शहरी आकर्षण कारकों' (Urban pull factors) के बजाय 'ग्रामीण दबाव कारकों' (Rural push factors) से प्रेरित है।

**कारण (R2):** विकासशील देशों में जनसांख्यिकीय संक्रमण ग्रामीण आबादी को स्थिर कर रहा है, जिससे प्रवास का दबाव कम हो रहा है।

**निम्नलिखित में से कौन सा सही है?**

(a) अभिकथन (A) सही है, और R1 और R2 दोनों इसकी व्याख्या करते हैं।

(b) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन R1 और R2 सही हैं।

(c) अभिकथन (A) और R1 सही हैं, लेकिन R2 गलत है।

(d) अभिकथन (A) और R1 गलत हैं, लेकिन R2 सही है।

**उत्तर: (b)**

**व्याख्या:** अभिकथन (A) गलत है क्योंकि विकासशील क्षेत्रों, विशेष रूप से एशिया और अफ्रीका में शहरीकरण उच्च या बढ़ती दर से जारी रहने की उम्मीद है। हालाँकि, दोनों कारण आम तौर पर मान्य हैं। शहरीकरण अक्सर ग्रामीण संकट (दबाव कारकों) द्वारा संचालित होता है, और जनसांख्यिकीय संक्रमण धीरे-धीरे आबादी को स्थिर कर रहा है, हालांकि इसने अभी तक प्रवास के दबाव को महत्वपूर्ण रूप से कम नहीं किया है।

# दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

**प्रश्न 1. अभिकथन-कारण प्रकार -**

**अभिकथन (A):** संकुचित प्लेट सीमाओं (Compressional plate boundaries) की तुलना में रिफ्ट वातावरण और विवर्तनिक विस्तार (Extensional tectonics) से जुड़े क्षेत्रों में भूकंपीय प्रकाश (Earthquake Lights - EQL) की अधिक बार रिपोर्ट की जाती है।

**कारण (R1):** विवर्तनिक विस्तार सेटिंग्स बढ़ी हुई क्रस्टल फ्रैक्चरिंग (पर्पटी विदर) के कारण चट्टानों में इलेक्ट्रॉनिक चार्ज वाहकों के सक्रियण की सुविधा प्रदान करती हैं।

**कारण (R2):** संकुचित विवर्तनिक सेटिंग्स लिथोस्फीयर (स्थलमंडल) में समान तनाव वितरण के कारण विद्युत चुम्बकीय विसंगतियों के उत्पादन को रोकती हैं।

**निम्नलिखित में से कौन सा सही है?**

(a) A सही है, और R1 और R2 दोनों सही हैं और A की व्याख्या करते हैं।

(b) A सही है, R1 सही है, लेकिन R2 गलत है।
(c) A गलत है, लेकिन R1 और R2 दोनों सही हैं।
(d) A सही है, लेकिन R1 और R2 दोनों गलत हैं।

**उत्तर: (b)**

**व्याख्या:** EQL वास्तव में रिफ्ट ज़ोन जैसी विवर्तनिक विस्तार वाली सेटिंग्स से अधिक सामान्यतः जुड़े होते हैं जहाँ क्रस्टल फ्रैक्चरिंग चार्ज वाहकों के सक्रियण की अनुमति देती है (R1 सही है)। हालाँकि, संकुचित सेटिंग्स विद्युत चुम्बकीय विसंगतियों को पूरी तरह से नहीं रोकती हैं; वे अभी भी हो सकती हैं, हालाँकि कम बार। इसलिए R2 गलत है।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा कथन 'नो क्लोनिंग थ्योरम' (No Cloning Theorem) के सार को सबसे अच्छी तरह व्यक्त करता है?**

(a) यह मनमानी सटीकता के साथ स्थिति (Position) और संवेग (Momentum) के एक साथ माप को प्रतिबंधित करता है।
(b) यह बताता है कि अज्ञात क्वांटम अवस्थाओं को मूल अवस्था को परेशान किए बिना पूरी तरह से कॉपी नहीं किया जा सकता है।
(c) यह स्थापित करता है कि उलझे हुए कण (Entangled particles) माप के बाद हमेशा समान अवस्थाओं में ढह जाते हैं।
(d) यह सुनिश्चित करता है कि क्वांटम जानकारी को प्रतिकृति (Replication) के माध्यम से प्रकाश से तेज गति से प्रसारित किया जा सकता है।

**उत्तर: (b)**

**व्याख्या:** नो क्लोनिंग थ्योरम क्वांटम यांत्रिकी का एक मौलिक परिणाम है जो साबित करता है कि किसी अज्ञात क्वांटम अवस्था की एक समान प्रतिलिपि बनाना असंभव है। इसका क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम क्रिप्टोग्राफी के लिए गहरा महत्व है।

**प्रश्न 3. कोयला गैसीकरण (Coal Gasification) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह आंशिक ऑक्सीकरण के माध्यम से कोयले को मुख्य रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन से बनी सिनगैस (Syngas) में परिवर्तित करता है।
2. यह स्वाभाविक रूप से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को समाप्त कर देता है, जिससे यह पूरी तरह से कार्बन-तटस्थ प्रक्रिया बन जाती है।
3. भूमिगत कोयला गैसीकरण (UCG) खनन के बिना कोयले की परतों के इन-सिटू (In-situ) गैस में रूपांतरण की अनुमति देता है।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?**

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

**उत्तर: (b)**

**व्याख्या:** कथन 1 सही है क्योंकि कोयला गैसीकरण सिनगैस का उत्पादन करता है। कथन 2 गलत है क्योंकि $CO_2$ अभी भी उत्पन्न होती है और इसके लिए कार्बन कैप्चर तकनीकों की आवश्यकता होती है। कथन 3 सही है क्योंकि UCG जमीन के नीचे कोयले को गैस में परिवर्तित करता है।

**प्रश्न 4. INS अरिधमन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह भारत की परमाणु त्रय (Nuclear Triad) का हिस्सा बनने वाली परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी है।
2. यह K-15 और K-4 जैसी सबमरीन-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों (SLBMs) को दागने में सक्षम है।
3. यह परमाणु निरोध (Nuclear Deterrence) के लिए सामरिक बल कमान (Strategic Forces Command - SFC) के सीधे कमान के तहत संचालित होती है।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?**

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

**उत्तर: (c)**

**व्याख्या:** सभी कथन सही हैं। INS अरिधमन भारत की परमाणु त्रय के तहत 'सेकंड-स्ट्राइक' क्षमता का हिस्सा है। यह K-15 और K-4 जैसी SLBMs से लैस है, और परिचालन नियंत्रण सामरिक बल कमान के पास है।

**प्रश्न 5. हिंदू कुश पर्वत प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह मध्य एशिया में हिमालय पर्वत प्रणाली के एक प्राकृतिक विस्तार का निर्माण करता है।
2. यह मध्य एशिया में मानसून के प्रवेश को प्रभावित करने वाले एक प्रमुख जलवायु अवरोध के रूप में कार्य करता है।
3. यह सिंधु नदी और उसकी कई सहायक नदियों के लिए प्राथमिक स्रोत क्षेत्र है।
4. यह पूरी तरह से अफगानिस्तान के क्षेत्र के भीतर स्थित है।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?**

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

**उत्तर: (c)**

**व्याख्या:** कथन 1, 2 और 3 सही हैं। हिंदू कुश भूगर्भीय रूप से हिमालय से जुड़ा हुआ है, क्षेत्रीय जलवायु को प्रभावित करता है, और सिंधु बेसिन में योगदान देता है। कथन 4 गलत है क्योंकि यह श्रेणी पाकिस्तान तक भी फैली हुई है।

**प्रश्न 6. अज़रबैजान की भौगोलिक स्थिति के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह पूर्व में कैस्पियन सागर से घिरा है।

2. यह आर्मेनिया, जॉर्जिया और ईरान के साथ सीमा साझा करता है।
3. नखचिवन एक्सक्लेव (Exclave) के माध्यम से तुर्की के साथ इसकी सीधी भूमि सीमा है।
4. यह पूरी तरह से यूरोप महाद्वीप के भीतर स्थित है।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?**

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

**उत्तर: (c)**

**व्याख्या:** कथन 1, 2 और 3 सही हैं। अज़रबैजान कैस्पियन सागर और कई देशों के साथ सीमा साझा करता है, जिसमें नखचिवन के माध्यम से तुर्की के साथ एक छोटी सीमा भी शामिल है। कथन 4 गलत है क्योंकि अज़रबैजान पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के चौराहे पर स्थित है।

# दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

**सामान्य अध्ययन - 1 (इतिहास एवं संस्कृति)**

**प्रश्न 1. विजयनगर साम्राज्य के शहरी नियोजन, स्थापत्य विशेषताओं और सामाजिक-आर्थिक संगठन का परीक्षण कीजिए। ये तत्व राज्य की राजनीतिक और सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को किस प्रकार दर्शाते थे?**

**उत्तर:** हम्पी में अपनी राजधानी के साथ विजयनगर साम्राज्य, भारत में पूर्व-आधुनिक शहरी नियोजन के सबसे परिष्कृत उदाहरणों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। शहर का विन्यास केवल कार्यात्मक नहीं था, बल्कि राजनीतिक अधिकार, धार्मिक प्रतीकवाद और आर्थिक जीवंतता में गहराई से समाहित था।

- **शहरी नियोजन:** विजयनगर के शहरी नियोजन की विशेषता इसकी **बहु-स्तरीय किलेबंदी प्रणाली** थी, जिसमें शाही, पवित्र और आवासीय क्षेत्रों की रक्षा करने वाली संकेंद्रित दीवारें थीं। यह विभाजन रक्षा और प्रशासनिक नियंत्रण पर कड़े जोर को दर्शाता है, विशेष रूप से दक्कन सल्तनतों के साथ निरंतर संघर्षों को देखते हुए। नहरों और टैंकों जैसे सिंचाई प्रणालियों और जल जलाशयों की उपस्थिति उच्च स्तर के इंजीनियरिंग कौशल और राज्य निवेश को इंगित करती है।

- **स्थापत्य विशेषता:** स्थापत्य कला की दृष्टि से, विजयनगर ने **द्रविड़ मंदिर शैलियों** को अभिनव धर्मनिरपेक्ष संरचनाओं के साथ मिश्रित किया। विरूपाक्ष और विट्ठल जैसे विशाल मंदिर न केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए थे, बल्कि आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में भी कार्य करते थे।

प्रतिष्ठित पत्थर का रथ और संगीत स्तंभ कलात्मक उत्कृष्टता के उदाहरण हैं। राजकीय परिसर और हाथी अस्तबल (Elephant Stables) फारसी और भारत-इस्लामिक प्रभावों को प्रकट करते हैं, जो सांस्कृतिक समन्वय को दर्शाते हैं।

- **सामाजिक-आर्थिक संगठन:** आर्थिक रूप से, साम्राज्य कृषि अधिशेष, शिल्प उत्पादन और लंबी दूरी के व्यापार पर फला-फूला। बाज़ार अक्सर मंदिरों के पास स्थित होते थे, जो धर्म और वाणिज्य के बीच घनिष्ठ संबंध का संकेत देते हैं। डोमिंगो पेस जैसे विदेशी यात्रियों ने मसालों से लेकर कीमती पत्थरों तक के सामानों से भरे हलचल भरे बाजारों का वर्णन किया है। सामाजिक रूप से, विभिन्न व्यावसायिक समूह अलग-अलग क्वार्टरों में रहते थे।

**निष्कर्ष:** इस प्रकार, विजयनगर का शहरीकरण आकस्मिक नहीं था, बल्कि शक्ति, समृद्धि और सांस्कृतिक पहचान की एक सचेत अभिव्यक्ति थी।

**सामान्य अध्ययन - 2 (शासन एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध)**

**प्रश्न 2. समकालीन विश्व में सुरक्षा की बदलती प्रकृति का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरे सुरक्षा की राज्य-केंद्रित धारणा को कैसे चुनौती देते हैं?**

**उत्तर:** पारंपरिक रूप से, सुरक्षा को राज्य-केंद्रित दृष्टिकोण से देखा जाता था, जिसमें क्षेत्रीय अखंडता और सैन्य खतरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। हालाँकि, समकालीन दुनिया में, सुरक्षा की अवधारणा का विस्तार **गैर-पारंपरिक खतरों** को शामिल करने के लिए हुआ है।

- **बदलती प्रकृति:** गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों में जलवायु परिवर्तन, महामारी, साइबर खतरे, खाद्य असुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद शामिल हैं। पारंपरिक सैन्य खतरों के विपरीत, ये चुनौतियाँ सीमाहीन और जटिल हैं। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी ने दिखाया कि कैसे एक स्वास्थ्य संकट अर्थव्यवस्थाओं को पंगु बना सकता है और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को तनावपूर्ण बना सकता है।
- **चुनौतियां:** ये खतरे राज्य-केंद्रित मॉडल को कई तरह से चुनौती देते हैं। सबसे पहले, उन्हें **सामूहिक वैश्विक कार्रवाई** की आवश्यकता होती है, क्योंकि कोई भी राष्ट्र अकेले उनसे नहीं निपट सकता। दूसरा, वे ध्यान "हार्ड पावर" से हटाकर **"मानवीय सुरक्षा"** पर केंद्रित करते हैं, जिसमें व्यक्तिगत कल्याण पर जोर दिया जाता है। तीसरा, वे आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं।
- **निष्कर्ष:** सुरक्षा की उभरती प्रकृति एक समग्र और बहुआयामी ढांचे की मांग करती है, जो सैन्य प्रभुत्व से आगे बढ़कर स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित कर सके।

**सामान्य अध्ययन - 3 (अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण)**

**प्रश्न 3. प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। सतत विकास किस प्रकार आर्थिक विकास को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ सकता है?**

**उत्तर:** प्राकृतिक संसाधन आर्थिक विकास की रीढ़ हैं, फिर भी उनके कुप्रबंधन से संसाधन की कमी, पर्यावरणीय गिरावट और असमान वितरण जैसी गंभीर वैश्विक चुनौतियां पैदा हुई हैं।

- **प्रमुख चुनौतियां:** वनों, खनिजों और जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक दोहन एक बड़ी चुनौती है। तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण ने वनों की कटाई और जैव विविधता के नुकसान को जन्म दिया है। जल की कमी एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अतिरिक्त, संसाधन खपत में भारी असमानता है, जहाँ विकसित राष्ट्र विकासशील देशों की तुलना में बहुत अधिक संसाधनों का उपभोग करते हैं।
- **सतत विकास की भूमिका:** सतत विकास भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों से समझौता किए बिना वर्तमान जरूरतों को पूरा करने पर जोर देता है। इसकी रणनीतियों में **नवीकरणीय ऊर्जा** को बढ़ावा देना, संसाधन दक्षता में सुधार करना और **सर्कुलर इकोनॉमी** मॉडल अपनाना शामिल है। सौर और पवन ऊर्जा जैसी तकनीकी नवाचार और पेरिस समझौते जैसे नीतिगत उपाय इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **निष्कर्ष:** आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच सामंजस्य बिठाने के लिए तकनीक, नीति और वैश्विक सहयोग को शामिल करने वाले बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

**सामान्य अध्ययन - 4 (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि)**

**प्रश्न 4. "नैतिक शासन केवल नियमों के अनुपालन के बारे में नहीं है बल्कि मूल्यों को आत्मसात करने के बारे में है।" लोक प्रशासन के संदर्भ में प्रासंगिक उदाहरण देते हुए चर्चा कीजिए।**

**उत्तर:** नैतिक शासन कानूनों के पालन से कहीं आगे जाता है; इसमें सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, जवाबदेही और सहानुभूति जैसे नैतिक मूल्यों का आंतरिककरण (Internalization) शामिल है। लोक प्रशासन में यह अंतर महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल नियम नैतिक परिणामों को सुनिश्चित नहीं कर सकते।

- **अनुपालन बनाम मूल्य:** अनुपालन-आधारित शासन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करता है, जो कभी-कभी नौकरशाही की कठोरता का कारण बन सकता है। इसके विपरीत, **मूल्य-आधारित शासन** जनहित द्वारा निर्देशित नैतिक निर्णय लेने पर जोर देता है। उदाहरण के लिए, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, अधिकारी अक्सर प्रभावित आबादी तक राहत पहुँचाने के लिए औपचारिक कर्तव्यों से आगे निकल जाते हैं, जो केवल अनुपालन के बजाय नैतिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- **प्रमुख स्तंभ:** सत्यनिष्ठा (Integrity) नैतिक शासन की आधारशिला है। यह सुनिश्चित करती है कि निर्णय भ्रष्टाचार और व्यक्तिगत पूर्वाग्रह से मुक्त हों। ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म और व्हिसलब्लोअर सुरक्षा जैसे संस्थागत समर्थन इन व्यक्तिगत मूल्यों को मजबूत करते हैं।
- **निष्कर्ष:** नैतिक शासन नियमों और मूल्यों का एक समन्वय है, जहाँ आत्मसात की गई नैतिकता औपचारिक अनुपालन से परे कार्यों का मार्गदर्शन करती है।

**समसामयिकी (Current Affairs)**

**प्रश्न 5. सड़क बुनियादी ढांचे के विकास से अक्सर वन्यजीव मृत्यु दर में वृद्धि होती है। भारत में वन्यजीवों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए चुनौतियों पर चर्चा करें और उपायों का सुझाव दें।**

**उत्तर:** भारत में सड़क बुनियादी ढांचे का विस्तार, हालांकि आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है, सड़क दुर्घटनाओं के कारण वन्यजीव मृत्यु दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

- **चुनौतियां:** प्राथमिक चुनौतियों में से एक **आवास विखंडन (Habitat Fragmentation)** है, जो जानवरों को भोजन या पानी की तलाश में सड़कें पार करने के लिए मजबूर करता है। बुनियादी ढांचे की योजना में पारिस्थितिक विचारों की अनुपस्थिति और ड्राइवरों के बीच जागरूकता की कमी समस्या को और बढ़ाती है।
- **निवारक उपाय:** इन मुद्दों के समाधान के लिए इंजीनियरिंग और नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है।
    1. **वन्यजीव क्रॉसिंग:** अंडरपास और ओवरपास जैसे 'इको-ब्रिज' वाहन-पशु टकराव को कम करने में प्रभावी साबित हुए हैं।
    2. **तकनीकी समाधान:** गति अवरोधक, चेतावनी संकेत और मोशन-सेंसर अलर्ट सुरक्षा बढ़ा सकते हैं।
    3. **नीतिगत उपाय:** बुनियादी ढांचे के डिजाइन में वन्यजीव-अनुकूल डिजाइन और सख्त पर्यावरणीय मंजूरी अनिवार्य होनी चाहिए। उत्तराखंड और महाराष्ट्र के वन्यजीव गलियारे इसके सफल उदाहरण हैं।
- **निष्कर्ष:** वन्यजीव सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए विकास को संरक्षण के साथ एकीकृत करने वाले समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver